**12.08 hrs.**

*RE*: ACQUISITION OF LAND OF FARMERS FROM GHAZIABAD

**श्री रामेश्वरानन्द** (करनाल) : अध्यक्ष महोदय, आप से एक निवदन....

**अध्यक्ष महोदय** : इस तरह से नहीं कह सकते हैं....

**श्री रामेश्वरानन्द** : जैसे आप कह, वैसे कहूं। मुझे पता होना चाहिये।

**अध्यक्ष महोदय** : मैंने जब आपको बता दिया....

**श्री रामेश्वरानन्द** : जब उचित समझें, कह दें।

**अध्यक्ष महोदय** : कई बार मैं कह चुका हूं कि अगर बिजिनेस के बिना और किसी विषय पर कोई माननीय सदस्य कोई बात कहना चाहें या किसी बात को उठाना हो तो मुझ पहले लिखकर भेज दे या आ कर मुझसे मिल लें और मुझे बता दें कि इस विषय पर मैं बात कहना चाहता हूं और तब फिर मैं उस बात को कहने की इजाजत दे सकता हूं। वर्ना आम जो बिजिनेस है वही हाउस में चलना चाहिये। मेरी विनिती बार-बार माननीय सदस्यों से यह है कि वे मुझे सहयोग दें और मैं उम्मीद करता हूं कि वे ऐसा करेंगे।

**श्री रामेश्वरानन्द** : अध्यक्ष महोदय, लोहिया साहब ने कई दिन से आपको ढाई घंटे की बहस का नोटिस दे रखा है। गाजियाबाद के जो किसान यहां पड़े हुए हैं...

**अध्यक्ष महोदय** : आप...

**श्री रामेश्वरानन्द** : मेरी प्रार्थना आप सुन लीजिये एक मिनट के लिए। कोई ऐसी बात नहीं है कि यह भारत सरकार का विषय नहीं है। पहले भारत सरकार उस में जांच करा चुकी है और डाक्टर साहब जो हमारे...

**डा० राम मनोहर लोहिया** (फर्रुखाबाद) : डा० राम सुभग सिंह।

**श्री रामेश्वरानन्द** : डा० राम सुभग सिंह साहब उसकी जांच कर चुके हैं। प्रधान मंत्री जी ने उनको यह मामला सौंप दिया था और वह उसकी रिपोर्ट दे चुके हैं....

**अध्यक्ष महोदय** : मैं समझ गया हूं आपकी बात।

**श्री रामेश्वरानन्द** : एक मिनट मेरी बात आप सुन लें। एक बात मैं कहना चाहता हूं। सारे देश में हम ऐसा कोई नियम नहीं देखते हैं कि किसी की कोई वस्तु एक बार कोई लेता है तो उसकी इच्छा के अनुकूल पैसे दिय जाते हैं। सरकार ने उन गरीब लोगों की जमीनें छीन ली हैं और उनको उसके थोड़ पैसे दे रही है। वे कहां जायें? यह उनके मरण जीवन का प्रश्न है।

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठ जायें। जिन से पूछ कर आप कह रहे है, उन से आज सुबह ही मेरी टेलीफोन पर बात हुई थी। जिनसे अभी आपने नाम पूछा था उनसे मेरी बात हुई थी सुब टेलीफोन पर और वक्त भी साढ़े चार बजे का मुकर्रर हो गया है कि मेरे पास वह आयेंगे और उन से मेरी बातचीत होगी। उन से जो बात होनी है वह साढ़े चार बजे होनी है। लेकिन आपने इस वक्त की उसको उठा दिया है।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : उन्होंने मुझसे डा० राम सुभग सिंह का ही नाम पूछा है। ऐसा न कहें कि मैं सब सदस्यों को सिखाता पढ़ाता हूं।

**अध्यक्ष महोदय** : इस में कोई बुराई नहीं। मैं भी आप से सीखने को तैयार हूं।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : अगर सब लोग तैयार हों, तब न?

**अध्यक्ष महोदय** : मैं तो हूं।

**श्री रामेश्वरानन्द** : एक बात मेरी सुन लें....

**अध्यक्ष महोदय** : सुन ली आपकी बात। अब आप बैठ जायें।

---

**12.10 hrs.**

## STATISTICS OF CONSUMER EXPENDITURE

**Mr. Speaker:** The Minister of Labour and Employment.

**श्री रामसेवक यादव** (बाराबंकी) : अध्यक्ष महोदय, जो बयान वह देने ज रहे हैं, उसी के सम्बन्ध में मैं एक जानकारी चाहता हूं। यह ब्यान स्टेटिसटिक्स आफ कंज्यमर एक्सपेंडीचर के बारे में है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या माननीय मंत्री महोदय तीन आने प्रति व्यक्ति और पद्रह आने प्रति व्यक्ति जो आमदनी है, उस पर भी इस में कुछ प्रकाश डालेंगे? इससे तो हमें ऐसा कुछ पता चलता नहीं है।

**अध्यक्ष महोदय** : ब्यान की निसबत तो मैं भी कुछ नहीं कह सकता हूं कि क्या होगा। लेकिन माननीय सदस्य को पता होगा कि डा० लोहिया ने यह सवाल उठाया था और मैंने उन से कहा था कि वह लिख कर मुझे भेज दें। अगर किसी वक्त एक मैम्बर, चाहे व मिनिस्टर हो या कोई और हो, कोई बयान करता है जो दूसरे मैम्बर खयाल करते हैं कि य गलत है, दुरुस्त नहीं है तब वह मेरी नोटिस में ले आता है कि यह बयान गलत दिया गया। उसे, जिन दूसरे सा ब ने बयान दिया था, मैं उन के पास भेजता हूं। दोनों बयान ले लेता हूं। दोनों बयान ले कर अगर मैं मुनासिब समझता हूं तो अवसर देता हूं कि दोनों अपने अपने बयान यहां रखें। उस वक्त मेम्बर साहबान जज कर सकते हैं, अगर दोनों में इत्तफाक न हो सके। इसलिये मैंने उस दिन डा० लोहिया से विनय की थी कि वे मुझे लिख कर भेज दें। लेकिन उन्होंने अभी तक यह उचित नहीं समझा कि वे मुझे भेजें। मैं ३ आ० और १५ आ० का जिक्र कर रहा हूं।

**डा० राम मनोहर लोहिया** (फर्रुखाबाद) : मैंने आपको एक बहुत लम्बा खत लिखा है, अध्यक्ष महोदय।

**अध्यक्ष महोदय** : वह दूसरा सवाल है।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : उसी बात को ले कर है।

**अध्यक्ष महोदय** : उस दिन जो आप ने बात की थी कि वह बयान गलत है, उस बात पर मैंने उस वक्त कहा था कि आप मुझ लिख कर भेज दें कि प्राइम मिनिस्टर का यह बयान ठीक नहीं है। लेकिन उस के बाद आप ने मेरे पास कोई चीज नहीं भेजी।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैंने आप से ढाई घंटे की बहस मांगी है। दफ्तर में कोई गड़बड़ है।

**अध्यक्ष महोदय** : वह दूसरा सवाल है।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : उसी सवाल को ले कर, आमदनी के बटवारे के सवाल को को ले कर....

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप मेरी बात सुन लें। ढाई घंटे की बहस मांगने की जो नोटिस आई है उस पर अलाहदा गौर होगा और उस पर जो मुनासिब होगा वह किया जायेगा।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : इसी प्रश्न को ले कर वह है।